

भारत सरकार
भारी उद्योग मंत्रालय
लोकसभा
अतारांकित प्रश्न संख्या 1665
10.02.2026 को उत्तर के लिए नियत
भारतीय पूंजीगत वस्तु क्षेत्र योजना

1665. श्री अतुल गर्ग:

क्या भारी उद्योग मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

- (क) 'भारतीय पूंजीगत वस्तु क्षेत्र में प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ाने' की योजना के अंतर्गत उत्तर प्रदेश में स्वीकृत परियोजनाओं का ब्यौरा क्या है;
- (ख) स्थानीय उद्योगों को सहयोग देने के लिए स्थापित सामान्य इंजीनियरिंग सुविधा केंद्रों (सीईएफसी) की स्थिति क्या है;
- (ग) गाजियाबाद के औद्योगिक क्षेत्रों में अत्याधुनिक मशीनरी और रोबोटिक्स के विनिर्माण को बढ़ावा देने के लिए क्या उपाय किए गए हैं;
- (घ) भारी अभियांत्रिकी क्षेत्र में कार्यबल हेतु संचालित कौशल विकास कार्यक्रमों का ब्यौरा क्या है; और
- (ङ) पूंजीगत वस्तुओं के लिए आयात पर निर्भरता कम करने हेतु क्या कदम उठाए गए हैं?

उत्तर

भारी उद्योग राज्य मंत्री
(श्री भूपतिराजू श्रीनिवास वर्मा)

(क), (ख) और (ग): उत्तर प्रदेश में 'भारतीय पूंजीगत वस्तु क्षेत्र में प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ाने की स्कीम - चरण I और II' (सीजी स्कीम) के तहत स्वीकृत परियोजनाओं का विवरण निम्नलिखित है:

क्र.सं.	परियोजना का नाम	कुल परियोजना लागत(करोड़ रुपये में)
1.	गाजियाबाद स्थित इंडस्ट्रियल प्रोसेसर्स एंड मेटलाइजर्स प्राइवेट लिमिटेड द्वारा टंगस्टन कार्बाइड पाउडर का उपयोग करके हाइड्रो टर्बाइनों के लिए रोबोटिक लेजर क्लैडिंग तकनीक पर टीएएफपी	4.97
2.	आईआईटी कानपुर में मानव संसाधन विकास मंत्रालय की इंफैक्टिंग रिसर्च इनोवेशन एंड टेक्नोलॉजी (आईएमपीआरआईएनटी) स्कीम के अंतर्गत परियोजनाएं	16.82
3.	आईआईटी बीएचयू, वाराणसी द्वारा उत्कृष्टता केंद्र (सीओई) की स्थापना	45

सीजी स्कीम के द्वितीय चरण के अंतर्गत स्थापित चार सामान्य इंजीनियरिंग सुविधा केंद्र (सीईएफसी) निम्नलिखित हैं:

क्र.सं.	परियोजना का नाम	परियोजना की स्थिति
1.	पुणे स्थित एआरएआई में सीईएफसी की स्थापना	जारी है
2.	उन्नत वेल्डिंग प्रौद्योगिकियों में कौशल प्रदान करने के लिए बीएचईएल द्वारा सीईएफसी की स्थापना	जारी है
3.	पुणे स्थित C4i4 द्वारा कॉमन इंजीनियरिंग फैसिलिटी सेंटर का विस्तार	जारी है
4.	स्मार्ट फैक्ट्री में सीईएफसी का संवर्धन, भारतीय विज्ञान संस्थान (आईआईएससी), बेंगलुरु	जारी है

(घ): भारी उद्योग मंत्रालय (एमएचआई) ने सीजी स्कीम के द्वितीय चरण के तहत पूंजीगत वस्तु क्षेत्र में कौशल विकास के लिए निम्नलिखित परियोजनाओं को मंजूरी दी है:

- ऑटोमोटिव स्किल्स डेवलपमेंट काउंसिल (एसडीसी), नई दिल्ली द्वारा ऑटोमोटिव सेक्टर के लिए 23 अर्हता पैकेजों का विकास;
- नई दिल्ली स्थित पूंजीगत वस्तु कौशल परिषद द्वारा पूंजीगत वस्तु क्षेत्र के लिए 23 अर्हता पैकेजों का विकास;
- पूंजीगत वस्तु क्षेत्र के लिए इंस्ट्रूमेंटेशन ऑटोमेशन सर्विलांस एंड कम्युनिकेशन (आईएससी) सेक्टर स्किल काउंसिल, नई दिल्ली द्वारा 12 अर्हता पैक का विकास;
- त्रिची स्थित बीएचईएल के वेल्डिंग अनुसंधान संस्थान (डब्ल्यूआरआई) में सीईएफसी की स्थापना;
- सी4आई4 लैब पुणे द्वारा सीईएफसी का संवर्धन।

(ङ): पूंजीगत वस्तु क्षेत्र में नवाचार और प्रौद्योगिकी विकास को प्रोत्साहित करने और स्वदेशी विनिर्माण को बढ़ावा देने के लिए, ताकि आयात पर निर्भरता कम हो सके, एमएचआई "भारतीय पूंजीगत वस्तु क्षेत्र में प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ाने की स्कीम - चरण II" को लागू कर रहा है। इस स्कीम के दूसरे चरण के तहत अब तक 29 परियोजनाओं को मंजूरी दी जा चुकी है। इनमें 7 सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (सीओई), 4 कॉमन इंजीनियरिंग फैसिलिटी सेंटर (सीईएफसी), 6 परीक्षण और प्रमाणन केंद्र, प्रौद्योगिकी विकास के लिए 9 उद्योग त्वरक और कौशल स्तर 6 और उससे ऊपर के लिए अर्हता पैक बनाने की 3 परियोजनाएं शामिल हैं।
